RAJYA SABHA

Wednesday, the 16th May, 2007/26 *Vaisakha,* 1929 *(Saka)*

The House met at eleven of the clock,

MR. CHAIRMAN in the Chair.

MATTER RAISED WITH PERMISSION OF CHAIR

Re: Demand for strict action Against the Person Reportedly Imitating Guru Gobind Singh

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड) **:** सर, आज पंजाब में जो कुछ हो रहा हैं ....(**व्यवधान**)... राम रहीम और खुदा कहने वाला जिस तरह से ....(**व्यवधान**)... रूप धारण करके ....(**व्यवधान**)... यह बर्दाश्त नहीं होगा ....(**व्यवधान**)....।

SHRI TARLOCHAN SINGH (Haryana): Sir, I have given notice. *(Interruptions).*

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY (Andhra Pradesh): Sir. I have also given a notice. This is about derogatory remarks made by the Prime Minister against my leader. *(Interruptions)*»This is unwarranted, Sir, *(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Shri Tarlochan Singh.

SHRI DEBABRATABISWAS (West Bengal): Sir, let us have division to find out who is for or against the House. *(Interruptions).*

SHRI PENUMALLI MADHU (Andhra Pradesh): Sir, there are people who disturb the House. We want the House to run. *(Interruptions)*

श्री तरलोचन सिंह : सर, मैं आपके माध्यम से एक बहुत गंभीर इश्यू सारे हाउस के सामने रखना चाहता हूं। सर, भारत में सिख कौमः माइनॉरिटी में है और जब से गुरू नानक देव जी ने सिख धर्म की बुनियाद रखी, यह रिलिजियस माइनॉरिटी अपने 500 वर्ष पूर्ण कर चुकी हैं। हम सारी दुनिया में अमन चाहने वाले लोग हैं।गुरू नानक देन जी के बाद गुरू गोबिन्द सिंह जी, जिन्होने खालसा धर्म धारण करवाया, जिन्होने अपने पिता की कुर्बानी दी, अपने चार पुत्रों को देश के लिए कुर्बान कर दिया, लेकिन आज मुझे यहां पर शर्म के साथ कहना पड़ रह है कि इसी देश में एक

व्यक्ति ने कल ओर परसों गुरू गेविन्द सिह जी को इमीटेट किया। इतना ही नहीं, अमृत, जो कि स्पिरिट हैं, जिस रिस्पिरिट से इस देश की अखंडता को बचाने के लिए लाखों सिखों ने कुर्बानी दी, उसे रिडिकूल किया और परसों भटिंडा में एक नया अमृत बनाने का जुर्म किया गया हैं, जिससे सारे देश हीं नहीं, सारी दुनिया के सिखों की फीलिग्सं को हर्ट किया गया हैं।

यहां पर मैं कोई पॉलिटिकल स्पीच नहीं देना चाहता हूं, लेकिन मैं सारे हाउस के सामने यह कहना चाहता हूं कि हर रोज यहां पर माइनॉरिटी के नाम पर बहुत सी चीजें की जाती हैं, लेकिन जो वास्तविक माइनॉरिटी हैं,जिससे अपनी सारी उम्र देश के लिए कुर्बान कर दी, आज उसकी आइडेंटिटी पर, उसकी रिलिजियस फीलिंग पर हमला हुआ हैं। मैं आपको दिलाना चाहता हूं कि इसी तरह एक बार पहले 1978 में अमृतसर में गुरू नानक देव जी को इमीटेट किया गया था, उस समय सिखस शहीद हुए और उसी के कारण पंजाब में इतना बड़ा क्राइसिस हुआ। 1978 का वह इन्सिडेंट हो इसकी बुनियाद था, उसी में भिडरावाला पैदा हुआ और सारा पंजाब खून से नहा उठा था, उसकी बुनियाद 1978 में गुरू नानक देव जी को इमीटेट करने पर ही डाली थी।

आज मैं आपके माध्यम से यह वार्निग देना चाहता हूं कि सिखों को सिटिंग डाक न समझा जाए। सिख अपनी गैरत और आन के लिए मरने को भी तैयार है। सिख जानता हैं कि उसने अपने देश के लिए क्या-क्या किया हैं,हमने ही जलियावाला बाग के लिए जनरल डायर को इंग्लैड में जाकर मारा था। सिख हर, वक्त देश की आन के लिए जीता हैं, यहां पर होम मिनिस्टर भी बैठे हुए हैं,सिखों पर आज जो हमला हुआ हैं, इसके लिए मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि ऐसे शख्स को आज ही गिरफ्तार करके डिटेन किया जाए। वह व्यक्ति जो अपने आपको सच्चा सौदा या गुरू गोबिन्द सिंह बना रहा हैं, उसे जब तक आप एरेस्ट करेंगे तब तक यह देश शान्त नहीं होगा और इसकी सारी जिम्मेवारी भारत सरकार के ही ऊपर होगी।

अगर आप देश में अमन और शान्ति चाहते हैं, अगर आप चाहते हैं कि उत्तर भारत दोबारा बर्न न करे, क्योकि सिख आज सारी दुनिया में डिमोन्स्ट्रेट कर रहे हैं,कल गंगा नगर में,मेरठ में, जम्मू में इस प्रकार खबरें आई हैं। वह जो रिलिजियस डेरा हैं, उसके लोगों ने भंटिडा में पुलिस पर हमला किया और सभी टीवी चैनल्स ने यह दिखाया। वहां पर कौन हमला कर रहा था? उस डेरे के 5000 सेवक जो अपने आप को प्रेमी कहते हैं, वे हथियारों से लैंस हो कर आए और उन्होने सर्किट हाउस जला दिया, पुलिस की सभी गड़ियों जला दीं। किसकी शह पर यह सब हुआ? उसके पीछे कौन सी पॉलिटिकल पार्टी हैं? वह क्यों यह करना चाहती हैं और मुझे एक बड़ी हैरानगी हैं कि जब भी पंजाब में अकाली पार्टी की सरकार आती हैं उसी वक्त ये इश्यू शुरू हो जाते हैं। यह नहीं समझ आई कि Why does a political party want to take Punjab back to that position जहां कि पंजाब बर्न हो। अकेला पंजाब बर्न नहीं होता उससे इंडिया का पीस बिगड़ता हैं। जिस शख्स ने आज यह इमिटेट किया हैं उसके खिलाफ सी.बी.आई. में मर्डर का केस दर्ज हैं, उसके खिलाफ

और कई घटिया से घटिया क्राइम जो उसने किया है वे केस सी.बी.आई. में तीन साल से पैंडिग पड़े हैं और सी.बी.आई. भी चुप बैठी हैं। उसने एक जर्नलिस्ट को मरवाया, उस पर एक लड़की के मर्डर का केस हैं और वह शख्स आज सारी सिख कौम को चैलेंज कर रहा हैं। सर, मैं आपके सामने सारे हाउस के मेम्बर्स के सामने अपील करना चाहता हू कि आज हमारे साथ खड़े हों और इसको आज ही रोको और रोक कर आज शाम तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया In the name of peace हम रोज कहते हैं कि फलां स्टेट में यह हो गया, यह बहुत बड़ा इश्यू हैं इसको लाइटली न लिया जाए, ऐसे शख्स को आज अरेस्ट करके जेल में भेजें और सारा देश, सारा हाउस इसको कंडेम करे। इससे हमारे ह्दय को शांति होगी और हम अपने आपको हिन्दुस्तान के शहरी होते हुए आपके माध्यम से लोगों को फिर अपील करते हैं कि यह सिखों के धार्मिक जजबे का केस हैं, इसको हम पौलाटिकलाइज नहीं करना चाहते, यह रिलिजियस फीलिंग हर्ट हुई हैं। एक कार्टून छपा था एक प्रोफेट के बारे में, सारी दुनिया में लोग उठे थे हम भी उठकर आपके हक में थे, तो आज हमारे मुर्शिद का, हमारे फाउंडर कर जो मजाक किया गया हैं, हम आपसे अपील करते हैं कि आज सारा हाउस यूनेनिमसली उस शख्स को अरेस्ट कराने के लिए और इसके बारे में सिखों के साथ खड़े होने की बात करे। मैं यही कहकर आपके माध्यम से सारे हाउस में माफी मांगता हूं कि मैंने क्वैश्चन ऑवर के टाइम में इस इश्यू को उठाया, लेकिन यह इश्यू इतना बड़ा हैं कि उसके बारे में कहने के लिए मैं मजबूर हुआ। थैक्यू सर।

SHRI VIRENDRA BHATIA(Uttar Pradesh): We support him.

SHRI DINESH TRIVEDI (West Bengal): Sir, we all support him. *...(Interruptions)...*

श्री दिग्विजय सिंह (झारखंड) **:** सारा सदन इसके साथ हैं।

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सभापति महोदय, सरदार तरलोचन सिंह जी ने जो आवाज उठाई हैं, उसके साथ मैं अपने आपको सम्बद्ध करते हुए बताना चाहता हूं कि सिख समाज ने ....(**व्यवधान**).....

प्रो. राम देव भंडारी (बिहार) **:** सर, उन्होने तो अपनी बात रख दी। .....(**व्यवधान**)..

श्री एस.एस. अलुवालिया : सर, बात तो सुन लीजिए। ....(**व्यवधान**).... संत समाज ने अकाल तख्त से अपील की और संत समाज की अपील पर यह जो ढोंगी संत हैं, जिसके नाम पर सी.बी.आई. केस हैं, रेप के केस हैं, डकैती के केस हें, एक्सटोर्श्न के केस है, मर्डर के केस हैं और जिसके केस अभी पिछले इलेक्शनों में दबाए गए, उस ढोंगी संत को आज बंद करने के लिए, पूरे संत समाज ने, अकाल तख्त को जब अर्जी दी तो उन्होने 17 तारीख को सिखो के पांचवे तख्त तलवंडी साबो में, दमदमा साहब में पूरे विश्व के सिखों की जम्थेबंदियों की एक मीटिंग बुलाई हैं और यह

मीटिंग एक आग का रूप धारण कर सकती है। यही ढोंगी संत हैं जिनके बारे में इलेक्शन कमीशन में भी केस पैंडिंग हैं। पिछले पंजाब के विधान सभा चुनावों में * ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : इसको हटा दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE (West Bengal): Sir, let us start the Question Hour.

प्रो. राम देव भंडारी : सर यह इश्यू पौलिटिकलाइज कर रहे हैं ....(**व्यवधान**)...

SHRI PRASANTA CHATTERJEE: Sir, let the Government respond to it. ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति : कर दिया, मैंने कर दिया। ....(**व्यवधान**)... कर दिया, कर दिया। ....(**व्यवधान**)...

प्रो. राम देव भंडारी : सर, अगर आप चर्चा कराना चाहते हैं तो इसके बारे में डेट फिक्स कर दीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : मैंने वह कर दिया। ....(**व्यवधान**)... अब हो गया, बहुत हो गया। ....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सभापति महोदय, आपके माध्यम से मेरी अपील हैं कि एक बार हजरत बल में मोहम्मद साहब के एक बाल को लेकर इतना बड़ा हंगामा हुआ था, यह सिखों के साथ में धक्का बर्दाश्त नहीं होंगा। .....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आपकी बात हो गयी। अब आप उनको बोलने दीजिए। .....(**व्यवधान**)....

श्री एस. एस. अहलुवालिया : यह बर्दाश्त नहीं होगा। .....(**व्यवधान**).... यह बर्दाश्त नहीं होगा .....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आपने बोल लिया।Please take your seat. ...*(Interruptions)*— You have been allowed. ...*(Interruptions)*... Please take your seat. आपने बोल लिया। ठीक हैं। अब आप बोलिए।

डा. फारूक अब्दुल्ला (जम्मू और कश्मीर): सभापति महोदय, मैं अर्ज करना चाहता हूं कि भारत जो तरक्की कर रहा हैं, उस भारत की तरक्की में जब धर्म का प्रयोग किया जाता हैं, वह हमारी तरक्की को पीछे कर देता हैं और आज जो पंजाब में हो रहा हैं। ....(**व्यवधान**).... उसके पीछे कौन लोग हैं? ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आप भी बोल लेना। ....(**व्यवधान**).... आप इनको बोलने दीजिए। आप क्यों खड़े हो रहे हो? ....(**व्यवधान**)....

---

*Expunged as ordered by the Chair.

डा. फारूक अब्दुल्ला : सर, मैं आपसे गुजारिश करता हूं कि इस हाउस को अपील करनी चाहिए धर्म के बड़े-बड़े आदमियों को चाहे वह मुसलमान हो, हिन्दु हो, सिख हो, जिस भी धर्म के हों। ....(**व्यवधान**)....

श्री शाहिद सिद्दिकी (उत्तर प्रदेश) **:** बिल्कुल सही बात हैं। ....(**व्यवधान**)....

†**شری شاہد صدیقی:** بلکل صحیح بات ہے ...مداخلت...

डा. फारूक अब्दुल्ला : उनसे कहना चाहिए कि धर्म को इस्तेमाल करो इन्सान की बेहतरी के लिए, न कि उसकी बर्बादी के लिए। ....(**व्यवधान**).... अगर गाडियां जलती हैं, तो वे सरकार की गड़ियां नहीं हैं, वह लोगों के खून का पैसा हैं जो उन गाडियो में लगा हुआ हैं। अगर हमने इसी तरह से भारत को जलाना हैं, तो फिर हम लोग यहां गलत लोग बैठे हुए हैं। सर, इसलिए मैं आपसे अपील करता हूं कि मेहरबानी करके आप आपनी तरफ से, आप भारत के बहुत महान आदमी हैं, आप अपील करें कि साहब यह दंगे-फसाद बंद करो, तभी हम कुछ आगे बढ़ सकते हैं, नहीं तो हमारी सारी शक्ति बजाय इसके कि हम दुश्मन के खिलाफ इस्तेमाल करें, वह सारी शक्ति जाया हो जाती हैं, अपने लोगों को रूकाने के लिए। इसलिए मैं आप सब से अपील करूंगा, इधर लोगों से भी और उधर के लोगों से भी अपील करूंगा। ...(**व्यवधान**)... मेहरबानी करके इसको बंद करिए, इस ढोंग को बंद करिए। मैं मानता हूं और इसमें कोई शक नहीं हैं कि जब इलेक्शन आते हैं, लोग धर्म का प्रयोग करते हैं, कोई फतवा जारी करवाता हैं, कोई कुछ जारी करवाता हैं और मुल्क को पीछे ले जाता हैं। ...(**व्यवधान**).. इसके बजाय कि मुल्क आगे जाये और पीछे चला जाता हैं। I am telling frankly. If you want me to mention the names, I will mention the names here. But I do not want to do that....*(Interruptions)*...It is better that we understand that either India progresses or we all go down with it. And nobody will forgive us for sitting in this House that we had been party to such episodes, which are destroying our nation.

श्री महेन्द्र मोहन (उत्तर प्रदेश) **:** सर, हम सब लोग इनका समर्थन करते हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : सर, इसकी सीबीआई जांच हो। ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप सुन लीजिए। आप होम मिनिस्टर साहब को सुन लीजिए। Please take your seat.

गृह मंत्री (**श्री शिवराज वी. पाटिल**) **:** सभापति महोदय, जो सम्माननीय सदस्यों ने अपनी भावना यहां व्यक्त की हैं देश की एकता के लिए सारे धर्मो के प्रति आदर बताने के संबंध में और सारे लोगों को साथ में लेकर चलने के संबंध में, यह ऐसी भावना हैं जिसका हम भी यहां पर आदर करेंगे, देश के लोग भी आदर करेंगे और ऐसी व्यक्त करने के लिए मैं सारे सदस्यों का पहले शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। जो भी वहां पर हो रहा हैं, उससे देश की एकता को और अपने देश

की प्रगति में बाधा जरूर आ सकती हैं, वह नहीं होना चाहिए। सिख धर्म के गुरू गोबिन्द सिंह जी के संबंध में कोई भी चीज, किसी की भी तरफ से नहीं होनी चाहिए, जिसकी वजह से किसी की भावना को चोट पहुंचे, यह सबको देखना बहुत ही जरूरी हैं। हम आशा करते हैं कि इसी दृष्टि से सब लोग करेंगे। मेरी वहां की जो सरकारें हैं, जो मुख्य मंत्री हैं, उनसे बातचीत हुई हैं और उन्होने भी यही भावना व्यक्त की हैं और हमने भी उनको यही भावना बताई हैं। हमने कहा हैं कि सही ढंग से समझाने के लिए और दूसरे तरीके से भी इस बात को कंट्रोल करने के लिए, जो भी सरकारें वहां की करेंगी, उसमें हमारा सहभाग रहेगा, सदन का सहभाग रहेगा और सबका सहभाग रहेगा। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैं सारे लोगों से, बाहर के लोगों से अपील करता हूं- आप सबने यहां पर यही भावना व्यक्त की हैं- कि कोई चीज हमसे ऐसी न हो, किसी की तरफ से भी ऐसी न हो, जिसकी वजह से देश की एकता को नुकसान पहुंचे और सब में धार्मिक आदर की भावना, सब धर्मो के सामने आदर की भावना हो। सिख धर्म तो बहुत माना हुआ धर्म हैं, दुनिया में माना हुआ धर्म हैं, अपने देश में माना हुआ धर्म हैं। हिन्दु, मुसलमान, सिख, इसाई—सबको मिलकर यहां पर रहना हैं। उसी भावना को आगे बढ़ाने के लिए हम यहां से अपील करते हैं।

श्री तरलोचन सिंह : सर, यह अपील का काम नहीं हैं, एक्शन क्या ले रहे हैं? ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : एक्शन लेने की बात कर रहे हैं। एक्शन का उन्होने बताया हैं कि वहां की सरकार से संपर्क में हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह : सर, ऐसा रिप्लाई हमें नहीं चाहिए। सरकार इस संबंध में ....(**व्यवधान**)... या सिख अपना फैसला आप करें और सिखों में शक्ति हैं कि वे अपना फैसला आप कर सकते हैं। ....(**व्यवधान**)...

श्री संतोष बागडोदिया (राजस्थान) **:** कैसे कर सकते हैं? ....(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह : क्यों नहीं कर सकते? आपकी तरह ....(**व्यवधान**)... नहीं बैठे। होम मिनिस्टर ....(**व्यवधान**)...

श्री सभापति :बोलने दीजिए। ....(**व्यवधान**)...

श्री तरलोचन सिंह : इसमें हमें कोई सेटिसफेक्शन नहीं हैं। सिर्फ अपील से क्या होगा? ....(**व्यवधान**)... पहले हमारे सेंटीमेंट्स को हर्ट कर दो, बाद में अपील कर दो। ....(**व्यवधान**)... उससे क्या होगा?

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYARANJAN DASMUNSI): Let the Home Minister speak. He is only increasing provocation.

श्री तरलोचन सिंह : जब एक सच्चा सौदा डेरा ....(**व्यवधान**)... अरेस्ट नहीं होते, तब तक ....(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज पाटिल : श्रीमान्, मैं बड़े आदर से कहना चाहता हूं कि इस संबंध में वहां की चुनी हुई जो सरकार हैं, जो वहां के मुख्य मंत्री हैं, उनसे मेरी बातचीत हुई हैं और उन्होने कहा कि इस संबंध में वे जरूरी कदम उठाएंगे। हमने कहा हैं कि इस संबंध में जो भी यहां से मदद की आवश्यकता हैं, वह दी जा सकती हैं और वह हम देंगे। लेकिन उनके होते हुए उनको हटाकर वहां पर कुछ करना, मैं समझता हूं कि आप भी उसको कबूल नहीं करेंगे और सदन भी कबूल नहीं करेगा। ....(**व्यवधान**)...

श्री एस.एस. अहलुवालिया : वह हरियाणा का रहने वाला हैं। हरियाणा के सिरसा का रहने वाला हैं। ....(**व्यवधान**)... यह घटना भंटिडा में घटी हैं। उसके ऊपर जितने केस हैं, सारे हरियाणा में हैं। हरियाणा में आपकी सरकार हैं, उसका डेरा सच्चा सौदा हरियाणा में हैं, सिरसा मे हैं और हरियाणा में चीफ मिनिस्टर को ....(**व्यवधान**)....

श्री शिवराज वी. पाटिल : मैंने कहा कि एक चीफ मिनिस्टर को नहीं, सभी संबंधित चीफ मिनिस्टर्स को कहा हैं। मैं एक की बात नहीं कर रहा हूं, सभी की कर रहा हूं। ....(**व्यवधान**)....

श्री तरलोचन सिंह : वह हरियणा में रहता हैं। वहां पर उनकी सरकार हैं। यह क्या हुआ? पंजाब के चीफ मिनिस्टर कुछ नहीं ....(**व्यवधान**).... हरियाणा के मुख्य मंत्री को आप डायरेक्शंस दें। ....(**व्यवधान**)....

श्री शिवराज वी. पाटिल : मैंने बात की हैं। ....(**व्यवधान**)....

श्री एस.एस. अहलुवालिया : पंजाब सरकार को उसके खिलाफ कार्यवाही करने के लिए हरियाणा सरकार की मदद चाहिए। केंद्र सरकार हरियाणा सरकार को निर्देश दे कि उसको गिरफ्तार किया जाए। ....(**व्यवधान**)....

श्री शिवराज वी. पाटिल : जिसको भी निर्देश देना हैं, उनको निर्देश भी देंगे और मदद भी करेंगे।

श्री सभापति : बस ठीक हैं, अब हो गया। ....(**व्यवधान**).... अब काफी हैं, अब बहुत हैं।....(**व्यवधान**)....

श्री तरलोचन सिंह : सर, मैं आपका धन्यवाद देते हुए फिर से कहना चाहता हूं कि ....(**व्यवधान**)....

श्री दिनेश त्रिवेदी : सभी धर्मो को एक निगाह से देखना चाहिए। जब हिन्दू धर्म पर होता हैं, उसको भी एक ही निगाह से देखना चाहिए। ....(**व्यवधान**).... हम सब इनसे सहमत ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : आप छोड़िए। ....(**व्यवधान**).... सहमति इसी में हैं। ....(**व्यवधान**)....

श्री तरलोचन सिंह : मैं आपका धन्यवाद देते हुए एक बार फिर से कहना चाहता हूं कि इसको लाइट्ली न लो। ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : नहीं ले रहे हैं।

श्री तरलोचन सिंह : सिख कौम बहुत सेंटीमेंटल हैं। यह बड़ा रिलीजियस ईशू हैं, इसको हम पॉलिटिकलाइज नहीं करना चाहते लेकिन इसकी इम्पोर्टेस समझते हुए the Home Minister should issue orders कि उसको आज अरेस्ट करो और अगर नहीं करोगे तो ....(**व्यवधान**)....

श्री सभापति : होम मिनिस्टर ने इतना आश्वासन दे दिया, और क्या देंगे?

श्री तरलोचन सिंह : यह इतना बड़ा ईशू बनेगा, जिसकी जिम्मेदारी आपके सर होगी और हम लोग कहेंगें कि सेंट्रल गवर्नमेंट उस वक्त हमारे साथ खड़ी होने में फेल हुई।

MR. CHAIRMAN: Question Hour. Question No. 581

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I have given a notice. This is also related to the same thing. This is related to the sentiments of theTelugu people.

MR. CHAIRMAN: No, no, I will not allow. Please don't disturb everybody.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, the Prime Minister has intentionally insulted the Telugu people.

MR. CHAIRMAN: You are disturbing the House for the last four days.

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I have given a notice. Sir, I am not disturbing.

MR. CHAIRMAN: There was no notice given to me. There was no notice given to me. Please don't disturb. You come to my Chamber. What is your problem?

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: Sir, I am speaking with pain. Sir, ...*(Interruptions)*...

SHRI C. RAMACHANDRAIAH (Andhra Pradesh): How can he accuse my leader? *(Interruptions)*...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY: The Prime Minister said that we are politicising the issue. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: What is the matter? *(Interruptions)* Nothing will go on record. Please come to my Chamber...*(Interruptions)*...I will not allow you...*(Interruptions)*..There is no notice with me ...*(Interruptions)*... Please take your seat...*(Interruptions)*...

SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:*

MR. CHAIRMAN: The notice has been received after 10 o'clock . .*(Interruptions)*... I will not allow... (*Interruptions)*... I have understood your problem... *(Interruptions)*...

SHRI V. HANUMANTHA RAO (Andhra Pradesh):*

SHRI NANDI YELLAIAH (Andhra Pradesh):*

SHRI C. RAMACHANDRAIAH:*

MR. CHAIRMAN: I will not allow. Please take your *seal.(Interruptions)*.. Your notice has been received at 10.05 A.M., not at 10 o'clock. I will not allow you.: .*(Interruptions)*...Nothing is going on record.

SHRI K. KESHAVA RAO (Andhra Pradesh):*

MR. CHAIRMAN: I will not allow you...*(Interruptions)*...Nothing is going on record. ..*(Interruptions)*... No thing will go on record... *(Interruptions)*... Why are you speaking when not a single word is going on record?.... (*Interruptions)*... Now, you have done your job... (*Interruptions)*... Please take your seat ...*(Interruptions)*... I will not permit you during the Question Hour...*(Interruptions)*...After the Question Hour, you come to my Chamber and tell me what is the problem...*(Interruptions)*...

SHRI GIREESH KUMAR SANGHI (Andhra Pradesh):*

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record ...*(Interruptions)*... Why are you wasting the time of the House? I will not allow you ...*(Interruptions)*.. You please take your seat ..*(Interruptions)*... You come to my Chamber ...*(Interruptions)*... I will not allow you ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record ...*(Interruptions)*... If you have any grievance please come to my office ...*(Interruptions)*... No, I can't assure at this moment ...*(Interruptions)*.. Please come to my office; I will see your papers and take a decision accordingly ...*(Interruptions)*... I won't allow ...*(Interruptions)*... Why are

*Not recorded

you speaking when nothing is going on record? ...*(Interruptions)*.., He is your good Minister ...*(Interruptions)*... Please take you seat. You have spoken too much without my permission ...*(Interruptions)*... I have never permitted you ...*(Interruptions)*... Please take you seat ...*(Interruptions)*... There can be no condition ...*(Interruptions)*... I will not accept any condition ...*(Interruptions)*... Please come to my office ...*(Interruptions)*... कोई रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)...Please take you seat ...*(Interruptions)*... I will not allow ...*(Interruptions)*... Let the Question Hour be over first, then, come to my office ...*(Interruptions)*... No, I will not allow ...*(Interruptions)*...

आप हाउस में आ जाइए, उसके बाद बात करेंगे। ....(**व्यवधान**)... मैं आपकी कंडिशनल बात मंजूर नहीं करता हूं आप मेरे हाउस में आ जाइए और मुझे बता दीजिए कि मामला क्या हैं, मैं उसको सुन लूंगा तो आपको एलाउ कर दूंगा। ....(**व्यवधान**).... क्वेश्चन ऑवर में एलाउ नहीं करूंगा।

Let us take up Question Hour.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

सीमाओं से घुसपैठ की घटनाएं

*581. **डा. प्रभा ठाकुर** : क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या देश के विभिन्न राज्यों में विदेशी घुसपैठियों द्वारा सीमापार से घुसपैठ करने मामलों में गिरावट आई हैं:

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं

(ग) देश की कौन-सी सीमा घुसपैठ के लिए सवाधिक सुभेद्य हैं और उसके क्या कारण हैं, और

(घ) घुसपैठ को रोकने के लिए सरकार द्वारा किये गये उपायों का ब्यौरा क्या हैं?

गृह मंत्री (श्री शिवराज बी. पाटिल) : (क) से (घ) इस संबंध में एक विवरण सदन के पटल पर रखा जा रहा है।